



धमाका

डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:

Gold 99,735

Silver 97,000

Crude Oil 5.963

Natural Gas 302.20

Aluminium 232.30

Copper 827.35

प्रदेश का पहला पूर्ण पेपरलैस ई-रजिस्ट्रेशन सिस्टम

डिजिटल पंजीयन में मध्यप्रदेश ने रचा इतिहास - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संपदा 2.0 और सायबर पंजीयन कार्यालय से कहीं से भी होगा दस्तावेजों का फेरलैस पंजीयन

भोपाल । मध्यप्रदेश में पंजीयन प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने संपदा 2.0 प्रणाली से दस्तावेजों का पूर्णतः पेपरलेस ई-पंजीयन शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित यह व्यवस्था नागरिकों को त्वरित सेवाएं देने के साथ-साथ प्रशासन में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करेगी।

पेपरलैस और डिजिटल पंजीयन में मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य

संपदा 2.0 के माध्यम से दस्तावेजों का पूर्णतः पेपरलेस और डिजिटल पंजीयन संभव हुआ है और यह व्यवस्था लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। इस प्रणाली में कोई भी व्यक्ति कहीं से भी ई-स्टाम्प तैयार कर सकता है। साथ ही संपत्ति की पहचान भू-अभिलेख और नगरीय प्रशासन के डेटाबेस से की जाती है तथा संपत्ति की जियो-टैगिंग भी की जाती है, जिससे संपत्ति संबंधी विवादों में कमी आएगी।

कृषि भूमि के पूर्ण अंतरण के बाद सायबर तहसील के माध्यम से स्वतः नामांतरण की सुविधा भी शुरू की गई है, वहीं कलेक्टर ऑफ स्टाम्प न्यायालय की प्रक्रिया को भी पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। ई-गवर्नेंस को और मजबूत बनाने के लिए भोपाल स्थित महानिरीक्षक पंजीयन कार्यालय में सायबर पंजीयन कार्यालय स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से लगभग 75 प्रकार के दस्तावेजों का फेसलेस पंजीयन किया जा सकेगा। सायबर सब-रजिस्ट्रार राज्य के किसी भी जिले के दस्तावेजों का ऑनलाइन पंजीयन कर सकेगा। फेसलेस पंजीयन प्रक्रिया में पक्षकारों के लिए आधार आधारित वीडियो KYC करना अनिवार्य होगा। दस्तावेजों के डिजिटल निष्पादन के बाद उन्हें ऑनलाइन सायबर उप-पंजीयक के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इससे नागरिकों को उप पंजीयक कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं रहेगी। नई व्यवस्था के तहत लीज, मॉर्टेज, डी-मॉर्टेज, संपत्ति में पत्नी या बेटी का नाम जोड़ने और मुखियारनामा जैसे दस्तावेज अब कहीं से भी ऑनलाइन तैयार कर पंजीकृत किए जा सकते हैं। डिजिटल तकनीक के उपयोग से मध्यप्रदेश ने ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है और आने वाले समय में यह व्यवस्था नागरिक सेवाओं को और अधिक सरल, पारदर्शी तथा भरोसेमंद बनाएगी।

5.160 किलो गांजा जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार



मंदसौर । जिले में गांधीसागर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 5.160 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त किया है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी तरुणा भारद्वाज के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर् की सूचना पर कार्रवाई की। पुराने हेलीपैड के पास रावतभाटा रोड, गांधीसागर क्षेत्र में घेराबंदी की गई। आरोपी वकील दायमा निवासी गुगलखेड़ा, थाना रामपुरा, जिला नीमच को काले रंग के बैग में 5.160 किलो अवैध गांजा ले जाते हुए पकड़ा गया। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित कीमत करीब 12,500 रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी वकील दायमा के खिलाफ थाना गांधीसागर में अपराध क्रमांक 14/2026 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में नशे के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अवैध मादक पदार्थों के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भारत तीसरी बार बना टी20 का विश्व विजेता वर्ल्डकप जीतकर घर लौटे क्रिकेटर्स का जोरदार स्वागत

नई दिल्ली । संजू सैमसन (89), ईशान किशन (54) और अभिषेक शर्मा (52) के अर्धशतक की बदौलत भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार खिताब पर कब्जा जमाया। इसके साथ ही टीम इंडिया बैक टू बैक टॉपी जीतने वाली और बतौर होस्ट टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने 2-2 बार टी20 विश्व कप जीता है। इतना ही नहीं भारतीय टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम का इतिहास भी पलट दिया है। वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को इसी मैदान पर शिकस्त दी थी। मुकाबले की बात करें तो टीस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20

भागचंद भील 'कोज्या' बने नीमच जिला आदिवासी कांग्रेस के नए जिलाध्यक्ष

नीमच 9 मार्च (निप्र)। अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रान्त भूमिया ने संगठन का विस्तार करते हुए ग्राम कोज्या निवासी और जनपद सदस्य प्रतिनिधि भागचंद भील को नीमच जिला आदिवासी कांग्रेस का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती की अनुशंसा पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा आधिकारिक तौर पर की गई है।



भागचंद भील की इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य जिले में आदिवासी कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूत बनाना है। संगठन को पूरा विश्वास है कि उनके अनुभव और सक्रियता से नीमच जिले में आदिवासी समाज के उत्थान के प्रयासों को नई गति मिलेगी।

सगराना की गोल्ड क्रस्ट फैक्ट्री में मैकेनिक की संदिग्ध मौत, काम के दौरान गिरने से गई जान

नीमच। जिले के समीप स्थित सगराना की गोल्ड क्रस्ट फैक्ट्री में सोमवार सुबह एक मैकेनिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से फैक्ट्री परिसर में हड़कंप मच गया। घटना के बाद मजदूरों और कर्मचारियों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान जयराम गुप्ता (45) पिता सरल गुप्ता निवासी थाना रघुनाथपुर बड़वा, जिला सिवान (बिहार) के रूप में हुई है। जयराम गुप्ता फैक्ट्री में रीगर (मशीन मैकेनिक) के रूप में कार्यरत थे और मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे।



मिलते ही जयराम गुप्ता को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि कंपनी की ओर से नियमानुसार मृतक के परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। बताया जा रहा है कि जयराम गुप्ता अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले थे। उनके परिवार में 16 वर्ष और 5 वर्ष की दो मासूम बेटियां हैं। पिता की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह करीब 8:20 बजे जयराम गुप्ता फैक्ट्री परिसर में हाइड्रो मशीन में डीजल डालने का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उन्हें चक्कर आया और वे जमीन पर गिर पड़े। साथ काम कर रहे

कर्मचारियों ने तत्काल उन्हें उपचार के लिए एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मृतक के परिचितों और सहकर्मियों का कहना है कि मामले में जल्द पोस्टमार्टम कर शव ले जाने का दावा बनाया जा रहा था, जिससे कई तरह के सवाल भी खड़े हो रहे हैं।

मजदूरों के बीच यह भी चर्चा है कि आखिर अचानक ऐसी क्या स्थिति बनी कि काम के दौरान ही उनकी मौत हो गई। वहीं फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से एचआर अधिकारी राजेंद्र शर्मा ने बताया कि सुबह करीब 8:20 बजे घटना की जानकारी

फिलहाल जयराम गुप्ता का शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

विक्रम सीमेंट वर्क्स में 55 वें राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह का शुभारम्भ

खोर । विक्रम सीमेंट वर्क्स खोर में 55 वें राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह का शुभारम्भ श्री अवास मिश्रा एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संस्था ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ । श्री दशरथ सुथार (संविदा कर्मचारी) द्वारा संस्था प्रतिभा दिलाई गई । तत्पश्चात श्री राहुल बागल (संस्था अधिकारी) ने स्वागत उद्बोधन में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह की प्रासंगिकता को बताया तथा सप्ताह भर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों से अवगत कराया । उन्होंने समस्त कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे इन प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर सफल बनायें । उन्होंने कहा कि सुरक्षा एक सामूहिक उत्तरदायित्व है तथा हम सब को मिल कर शून्य दुर्घटना लक्ष्य प्राप्त के लिये प्रयास करने होंगे । इस अवसर पर कारखाने में जगह - जगह सुरक्षा बैनर लगाये गये। तथा कर्मचारियों द्वारा संरक्षा वाली और संरक्षा कविता का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर श्री भूपेन्द्र सिंह, श्री अन्तर् शर्मा (FH - एच - आर & पी & ई), श्री अक्षय जैन (FH- टैनिंकल), श्री आशीष हिमर (FH -एफ & सी) और श्री भूपेन्द्र खोरपिया (FH- माईस) सभा में उपस्थित थे । संस्थान प्रमुख श्री अवास मिश्रा ने अपने भाषण में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर कारखाने में काम करने वाला हर व्यक्ति स्वयं सुरक्षा के सभी



नियमों एवं रोक - टोकों का पालन करें तभी हम अपने शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हो सकेगें। उन्होंने कहा कि सुरक्षित कामगार न केवल अपनी जिंदगी की सुरक्षा करता है, बल्कि वह दूसरों की भी सुरक्षा करता है। और कार्यस्थल को शून्य दुर्घटना क्षेत्र बनाता



है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी भी कार्य को करने से पहले हम उसके खतरों की पहचान कर सुरक्षित कार्य विधि बना ले तथा उसके अनुसार कार्य करें तो हम शून्य दुर्घटना लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि औद्योगिक प्रति में सुरक्षा का विशेष महत्व है। अगर हमें कारखाने में उत्पादकता को बढ़ाना है, तो सुरक्षा के उच्च मापदंड स्थापित करने होंगे। इसके लिए आवश्यक है, सुरक्षा के नियमों का पालन, सुरक्षित आदतों का विकास, अनुशासन तथा कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता। इसके साथ-साथ यह भी आवश्यक है कि हम अपने सुरक्षा स्तर का समय समय पर मूल्यांकन भी करें कि हमारे प्रयास इस दिशा में कितने सार्थक हुए हैं । सुरक्षा के प्रति जागरूकता इसमें बहुत महत्व रखती है । आप सभी से अनुरोध है कि

इस दौरान आयोजित होने वाली सुरक्षा गतिविधियों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस अभियान को सफल बनायें। मैं आप सभी को सुरक्षा दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देता हूँ तथा आशा करता हूँ कि आप सभी सुरक्षित आदतों का विकास कर कारखाने में एक सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति विकसित करेंगे, जिससे कि हम अपने शून्य दुर्घटना लक्ष्य को प्राप्त कर संस्थान की सुरक्षा में अग्रणी बनाएँगे ।

प्रबंधन की सुरक्षा के प्रति वचनबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा प्रबंधन सुरक्षा के सभी संसाधन हमेशा उपलब्ध कराता रहा है तथा भविष्य में भी इसके लिए वचनबद्ध है। श्री राकेश झा (संस्था अधिकारी) द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन व धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन किया गया ।

नीमच के दशहरा मैदान में उमड़ा जनसैलाब टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के लाइव प्रसारण में झूमे खेल प्रेमी



नीमच । शहर के ऐतिहासिक दशहरा मैदान में रविवार, 8 मार्च को क्रिकेट के प्रति दीवानगी का एक अद्भुत नजारा देखने को मिला। श्री एस.आर. ग्रुप ऑफ कॉलेजेस (Shri SR Group of Colleges) द्वारा भारत और न्यूजीलैंड के बीच आयोजित टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले का भव्य लाइव प्रसारण किया गया। मैच की शुरुआत से ही मैदान में खेल प्रेमियों का जनसैलाब उमड़ना शुरू हो गया था। विशाल

स्क्रीन पर भारतीय टीम को खेलते देख युवाओं और खेल प्रेमियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। हर चौके-छक्के पर पूरा मैदान तालियां हर 'इंडिया-इंडिया' के नारा से गूंज उठा। कॉलेज के डायरेक्टर श्री धर्मेरा तिवारी द्वारा नीमच नगर के युवाओं और खेल प्रेमियों के लिए इस आनंददायी कार्यक्रम का विशेष आयोजन किया गया था। इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहर में खेल भावना को बढ़ावा देना

और युवाओं को एक स्वस्थ मनोरंजन का मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम की व्यवस्था और आयोजन की नगरवासियों ने काफी प्रशंसा की। उपस्थित नागरिकों का कहना था कि नीमच में इस स्तर का सामूहिक आयोजन लंबे समय बाद देखने को मिला है, जिससे न केवल मनोरंजन हुआ बल्कि सामाजिक एकजुटता भी बढ़ी। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा और

श्री एस.आर. ग्रुप ऑफ कॉलेजेस की इस शानदार व्यवस्था के लिए आभार व्यक्त किया गया। भारत की इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही पूरा मैदान आतिशबाजी और जश्न के माहौल में सजबोर हो गया। श्री एस.आर. ग्रुप ऑफ कॉलेजेस प्रबंधन ने इस गौरवशाली उपलब्धि पर समस्त देशवासियों और नीमचवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

अत्यंत गंभीर हालत में लाया गया था मरीज - अस्पताल द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, सुधीर चौहान को 02 मार्च 2026 की रात 9:38 बजे इमरजेंसी यूनिट में लाया गया था। परिजनों ने बताया था कि भगवानपुरा चौराहा (द्विंदा नगर) पर एक गाय के हमले से उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। अस्पताल पहुंचने पर मरीज पूरी तरह अचेत (Unconscious) था। चिकित्सकीय भाषा में उनकी

ज्ञानोदय अस्पताल ने सुधीर चौहान मामले में स्थिति की स्पष्ट जानकारी दी परिजनों को

ज्ञानोदय हॉस्पिटल पर लगे सारे आरोप निराधार- डॉ जैन

नीमच। शहर के प्रतिष्ठित ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल प्रबंधन ने मरीज सुधीर पिता मनोहर लाल चौहान की मृत्यु के मामले में सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से फैलाई जा रही भ्रामक जानकारियों का खंडन किया है। अस्पताल ने स्पष्ट किया है कि मरीज को अत्यंत गंभीर अवस्था में लाया गया था और चिकित्सा प्रोटोकॉल के तहत हर संभव जीवन रक्षक प्रयास किए गए थे।



स्थिति GCS (E1V1M1) थी, जिसका अर्थ है कि शरीर के किसी हिस्से में कोई हलचल नहीं थी, आँखों की पुतलियाँ फैल चुकी थीं और कान से रक्तस्राव हो रहा था। परिजनों की सहमति से हुआ तत्काल ऑपरेशन - मरीज की जान को आसन्न खतरे को देखते हुए डॉक्टरों ने तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी थी। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि परिजनों को स्थिति की गंभीरता से पूरी तरह अवगत करा

दिया गया था। परिजनों की लिखित स्वीकृति के बाद ही ऑपरेशन किया गया। सर्जरी के दौरान मस्तिष्क में अत्यधिक सूजन पाई गई थी, जिसके बाद मरीज को गहन चिकित्सा इकाई (ICU) में शिफ्ट कर विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में रखा गया। आयुष्मान योजना और शुल्क पर स्पष्टीकरण - अस्पताल ने स्पष्ट किया कि मरीज के आयुष्मान कार्ड की जानकारी परिजनों ने भर्ती होने के अगले दिन (03 मार्च) दी थी, जिसके बाद उपचार की तुल्य आयुष्मान योजना के अंतर्गत ले लिया गया था।

योजना लागू होने से पूर्व जमा कराए गए 15,000 रुपये आपातकालीन जॉर्चों और सुरक्षा निधि (Security Deposit) के तौर पर लिए गए थे, जो आपात स्थिति में अस्पताल की मानक प्रक्रिया का हिस्सा है। भ्रामक प्रचार पर अस्पताल का पक्ष - अस्पताल प्रबंधन ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि 'मरीज की मृत्यु के पश्चात कुछ तत्वों के बहकावे में आकर परिजनों द्वारा अस्पताल के विरुद्ध जो भ्रामक और नकारात्मक जानकारी फैलाई जा रही है, वह पूरी तरह निराधार है। चिकित्सा में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती गई और पूरी पारदर्शिता के साथ उपचार किया गया।' हॉस्पिटल प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे ऐसी तथ्यहीन बातों पर विश्वास न करें, जो चिकित्सा जगत की छवि को धूमिल करने के उद्देश्य से फैलाई जा रही हैं।

नीमच में लैब टेक्नीशियन ने लगाई फांसी, मौत

नीमच । शहर के अल्कोलाइड कॉलोनी में मंगलवार को एक 32 साल के युवक रोहित मेघवाल ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों ने उसे फंदे से उतारकर तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कैंट थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, रोहित के पिता अल्कोलाइड फैक्ट्री में लैब टेक्नीशियन हैं। बताया जा रहा है कि रोहित की पत्नी नर्स है और वह पिछले तीन महीने से अपनी ड्यूटी पर थी और नीमच नहीं

आई थी। इसी बात को लेकर रोहित काफी समय से तनाव (डिप्रेशन) में चल रहा था। पुलिस कर रही है जांच - कैंट थाना प्रभारी नितेश अवस्थी ने बताया कि फिलहाल खुदकुशी की असली वजह साफ नहीं हो पाई है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर पत्नी के घर न आने से डिप्रेशन की बात सामने आई है। पुलिस ने बुधवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजन को सौंप दिया है। अब परिवार और आसपास के लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं ताकि पूरी सच्चाई सामने आ सके।

जनसुनवाई में किसान ने पहनी आवेदनों की माला : बुजुर्ग 109वीं बार पहुंचा



नीमच । कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कई आवेदक अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए पहुंचे। इस दौरान कुल 71 आवेदन प्राप्त हुए। जोरन के ग्राम जोरन निवासी एक किसान आवेदनों की माला पहनकर पहुंचा, वहीं एक बुजुर्ग 109वीं बार अपनी शिकायत लेकर उपस्थित हुए।

जोरन के ग्राम जोरन निवासी किसान नरेंद्र कुमार पाटीदार ने गले में आवेदनों और सरकारी दस्तावेजों की माला पहनकर अपनी समस्या बताई। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी निजी भूमि का रास्ता दबंगों ने रोक रखा है। सितंबर 2024 में उनके पक्ष में आदेश होने के बावजूद राजस्व

निरीक्षक द्वारा रास्ता खाली नहीं करवाया जा रहा है। ग्राम दारू के बुजुर्ग जमनालाल पुरोहित 108 बार दफ्तरों के चक्कर लगाने के बाद मंगलवार को 109वीं बार आवेदन लेकर पहुंचे। जमनालाल ने बताया कि उनके घर के पास स्थित पुराने शासकीय हैंडपंप के बगल में अवैध शौचालय का निर्माण किया जा रहा है। इससे पूरे मोहल्ले का पेयजल दूषित होने और महामारी फैलने का खतरा है। जनसुनवाई में शहर के वार्ड क्रमांक 1 (चावला कॉलोनी) के रहवासी भी नगर पालिका की कार्यप्रणाली के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पहुंचे। महिलाओं ने कलेक्टर को बताया कि वार्ड में पाइपलाइन न होने के कारण बच्चे दूषित पानी पीने से बीमार हो रहे

हैं, जबकि नगर पालिका नियमित रूप से टैक्स वसूल रही है। इस पर कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने तत्काल मौका मुआयना कर पाइपलाइन बिछाने की कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य संबंधी मामलों पर कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि भाटखेड़ी के दुर्घटना पीड़ित राजू बंजारा से एक निजी अस्पताल द्वारा आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद वसुले गए 1.50 लाख रुपये वापस दिलाए जाएं। साथ ही, मनासा के दांता निवासी गोपाल गारासिया की पत्नी की आयुष्मान लिमिटेड समाप्त होने पर उन्हें रेडक्रॉस से आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

रमन की विरासत और नारी नेतृत्व: विकसित भारत का वैज्ञानिक युग



योगेश कुमार गोयल

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्यों के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं।

संपादकीय

सुप्रीम संवेदनशीलता

भारतीय समाज में किसी भी तरह की हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिये न्याय पाने की प्रक्रिया में न्यायिक तंत्र की विसंगतियों से जुझना कष्टप्रद रहा है। समाज में सोच रही है कि पहले ही हिंसा का शिकार हुई स्त्री द्वारा अपनी आपबीती को बार-बार दोहराना पुनः उसी यंत्रणा से गुजरना जैसा होता है। उसकी अभिव्यक्ति की गोपनीयता व पहचान सुरक्षित रखने की भी जरूरत महसूस की जाती रही है। विडंबना यह भी रही है कि अक्सर स्त्री के खिलाफ हुई हिंसा से जुड़े मामले में सामाजिक धारणाओं पर पितृसत्तात्मक सोच वाली मानसिकता का वर्चस्व रहता है। निर्विवाद रूप से हर तरफ से हारा-हताश व्यक्ति न्याय की चौखट पर अंतिम सहारे के रूप में जाता है। लेकिन कई बार देखने में आया है कि स्त्री के विरुद्ध हुए अपराध के मुकदमे के दौरान टिप्पणियों व फैसले पर पूर्वाग्रहों का असर नजर आता है, जिससे पहले से पीड़ित स्त्री के कष्ट में इजाफा ही होता है। कहा जाता है कि इस प्रक्रिया में यदा-कदा संवेदनशीलता व करुणा का भाव नदारद पाया गया। यही वजह है कि समय-समय पर शीर्ष अदालत ने न्यायाधीशों के निर्णयों को रूढ़िवादिता के प्रभाव से मुक्त करने के लिये प्रयास किए हैं। इसी आलोक में पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को यौन हिंसा व स्त्री से जुड़े अन्य अपराधों के परिप्रेष्य में जजों तथा न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोगों के लिए संवेदनशीलता तथा करुणा विकसित करने की पहल की है। दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। निस्संदेह, इस संवेदनशील पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट का यह प्रयास भविष्य में नई लीक बनाएगा, जिसमें न्यायाधीश स्त्री के विरुद्ध यौन हिंसा व अन्य अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ सुनवाई कर सकेंगे। इसके साथ ही संभव हो सकेगा कि उनके फैसलों पर किसी सामाजिक भेदभाव की धारणा व पूर्वाग्रह का असर नजर न आए। निस्संदेह, इस प्रयास से न्याय को अधिक मानवीय व संवेदनशील बनाने में मदद मिल सकेगी। विगत में भी इस दृष्टिकोण की कमी न्यायिक प्रक्रिया में महसूस की जाती रही है।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कल्युग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुनः धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है। सतयुग से कल्युग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य को व्यवहार सृष्टि के नियम के विरुद्ध जाता जाएगा। हिंसा में मदद मिले पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है। त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाता पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है। द्वापर युग में देवर अपनी भाभी को बीच सभा में नग्न करने की कोशिश करता है जिसका उदाहरण द्रौपदी चौर हरण की घटना है। राजा अपनी शक्ति के मद में अबला स्त्री को हवस का शिकार बनाना चाहता है। इसका उदाहरण जयद्रथ द्वारा द्रौपदी हरण और दुर्योधन द्वारा भीलों की कन्या का हरण करने की घटना है। भाई अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरे परिवार को युद्ध की आग में झोंक देता है इसका उदाहरण महाभारत युद्ध है। लेकिन कलियुग में आये दिन भाई-भाई, बाप-बेटे में स्वार्थ की पूर्ति के लिए लड़ाई होती है। लोगों की काम-वासना इतनी बढ़ गयी है कि आये दिन स्त्रियों का हरण होता है और उन्हें अपमानित किया जाता है। पाप आचरण से भरा हुआ कलियुग अगर अधिक दिनों का होगा तो सृष्टि में हाहाकार मच जाएगा। यही कारण है कि भगवान ने कलियुग को सबसे कम उम्र दिया।

सपनों को हकीकत में बदलने की कुंजी है विज्ञान... मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है। दरअसल इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरंतर अग्रसर रहे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी. वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल सर सी वी रमन भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पहले ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने भारत में ऐसे आविष्कार पर शोध किया था। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्चिवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सी वी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा

शराब दुकानों के लिए दूसरे चरण की नीलामी शुरू, 11 समूहों की 50 दुकानों के लिए ई-टेंडर आमंत्रित

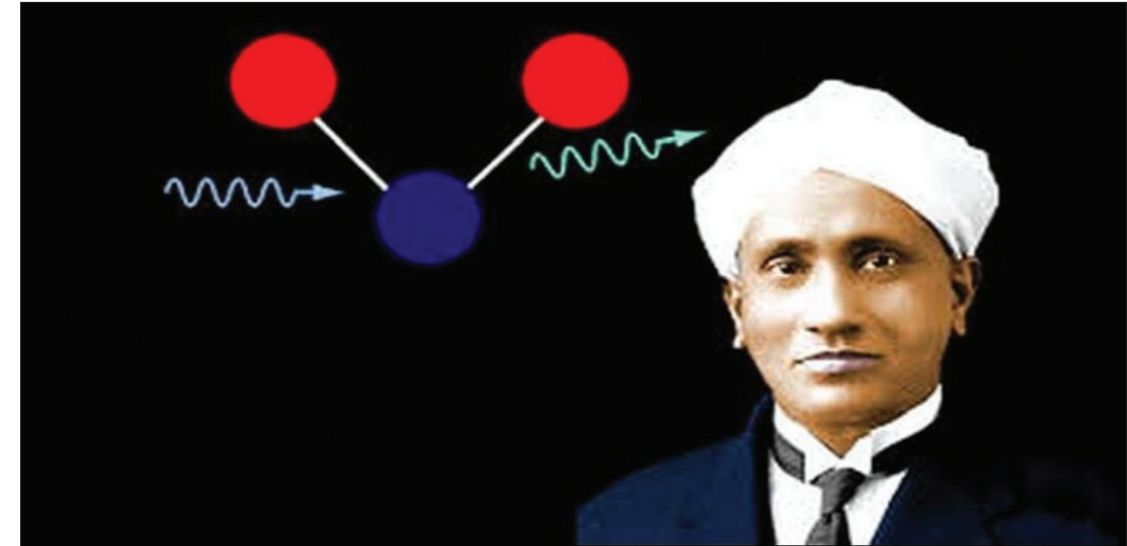
नीमच (निप्र)। जिले में वर्ष 2026-27 के लिए शराब दुकानों के निष्पादन की प्रक्रिया तेज हो गई है। प्रथम चरण के बाद शेष रही मदिरा दुकानों के लिए अब दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू की गई है। जिला आबकारी अधिकारी बसंत कुमार शिंदे ने बताया कि जिले की 50 कंपोजिट मदिरा दुकानों, जो कि कुल 11 समूहों में विभाजित हैं, के लिए ई-टेंडर सह नीलामी (ई-टेंडर कम ऑक्शन) आमंत्रित किए गए हैं। यह ठेके एक अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए होंगे। **पोर्टल पर प्रक्रिया शुरू** - इच्छुक पात्र आवेदक शासन द्वारा निर्धारित शर्तों के अधीन एनआईसी के पोर्टल <https://mptender.gov.in> के माध्यम से अपनी निविदाएं प्रस्तुत कर सकते हैं। इन समूहों का विस्तृत विवरण, आरक्षित मूल्य और धरोहर राशि की जानकारी जिला आबकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से संपन्न होगी।

गंदे पानी को लेकर अब नपा सख्त आपात बैठक बुलाई, दिए कड़े निर्देश

जलकल सभापति छाया जायसवाल ने बीटीएल कंपनी और जलकल विभाग को लगाई फटकार, फिटकरी-ब्लीचिंग पाउडर की मात्रा बढ़ाने और नियमित जांच के आदेश



नीमच (निप्र)। शहर में गंदे पानी की आपूर्ति और लगातार बढ़ रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका की जलकल सभापति छाया जायसवाल ने कड़ा सख्त अपनाया है। रविवार शगर नगर पालिका कार्यालय में आपात बैठक आयोजित कर जल वितरण का कार्य देख रही बीटीएल (BTL) कंपनी के प्रतिनिधियों और जलकल शाखा के अधिकारी-कर्मचारियों को तलब किया गया। बैठक में सभापति ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर में स्वच्छ जल वितरण हर हाल में सुनिश्चित



माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का विषय है 'विज्ञान में महिलाएं: विकसित भारत को उत्प्रेरित करना'। 2023 से 2025 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्रमशः 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान', 'विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को

सशक्त बनाना' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य : शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीआई का अर्थ है साइंस, टैकनोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की वर्ष 1999 से लेकर अब तक की थीम पर नजर डालें तो वर्ष 1999 का विषय था 'हमारी बदलती धरती'। वर्ष 2000 का विषय था 'मूल विज्ञान में रूचि उत्पन्न करना, 2001 का 'विज्ञान शिक्षा के लिए सूचना तकनीक', 2002 का 'पश्चिम से धन', 2003 का 'जीवन की रूपरेखा : 50 साल का ड्राएनए और 25 वर्ष का आईवीएफ', 2004 का 'समुदाय में वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देना', 2005 का 'भौतिकी को मानना', 2006 का 'हमारे भविष्य के लिए प्रकृति की परवरिश करें', 2007 का 'प्रति द्रव्य पर ज़्यादा फसल', 2008 का 'पृथ्वी ग्रह को समझना', 2009 का 'विज्ञान की सीमा को बढ़ाना', 2010 का 'दीर्घकालिक विकास के लिए लैंगिक समानता, विज्ञान

ट्रैफिक का बेकाबू कहर : तेज दौड़ती गाड़ियां और टेप रिकॉर्डर से दुर्घटनाओं का सिलसिला

शराब पीकर ड्राइविंग और तेज टेप रिकॉर्डर : खतरे की घंटी



अठाना । क्षेत्र में तेज गति से दौड़ती गाड़ियां आम जनता के लिए गंभीर खतरा बन गई हैं। शराब पीकर वाहन चलाना और तेज आवाज में टेप रिकॉर्डर चलाना रोजमर्रा की बात हो गई है। ट्रैफिक कानून लागू करने में कोई भी अधिकारी गंभीर नहीं दिखाई दे रहा। अवैध रूप से कड़पी की तस्करी - नीमच जिले में जिला कलेक्टर ने अवैध रूप से भूसा और कड़पी (चास) को बाहर ले जाने पर प्रतिबंध लगाया है, लेकिन प्रतिदिन ट्रैक्टरों के जरिए बड़े पैमाने पर पड़ोसी राज्यों में यह सामग्री

ले जाई जा रही है। पुलिस विभाग इस ओर नजरअंदाज कर केवल एनडीपीएस पर ध्यान दे रहा है। **सुखानंद तीर्थ मार्ग पर कार पलटी** - रविवार 8 मार्च को 11:30 बजे सुखानंद तीर्थ मार्ग पर विधुत वितरण केंद्र के पास अंधे मोड़ पर एक कार खाई में पलट गई। नीमच के फर्नीचर व्यवसाई ओमप्रकाश विश्वकर्मा जागिड़ अपनी निजी कार टोयोटा इटियांस से जा रहे थे। कार को साइड देने के दौरान एक ट्रक का सतुलन बिगड़ा, जिससे कार गहूं के खेत में गिर गई। सौभाग्य से परिवार के

सभी सदस्य सुरक्षित रहे। स्थानीय लोग और मठाधीशों ने तुरंत मदद की, पार्श्व बदलीला धनगर ने अपने ट्रैक्टर से कार को रास्ते पर वापस लाया। लेकिन जावद आरक्षी केंद्र की पुलिस घटना स्थल पर मदद करने के लिए मौजूद नहीं थी। पूर्व चेतावनी बेकार: 2012 में सड़क निर्माण एजेंसी संचालक शरद शर्मा ने अंधे मोड़ को हटाने और सड़क को सीधा बनाने की सिफारिश की थी, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। **गंभीरी नदी पर ट्रैक्टर पलटा, चालक की मौत** - स्थानीय नगर के मध्य स्थित गंभीरी

नदी पर, केरखेड़ा मोरवन क्षेत्र में 24 वर्षीय रविंद्र सुरावत बंजारा शराब पीकर तेज आवाज में टेप रिकॉर्डर बजाते हुए ट्रैक्टर चला रहा था। ट्रैक्टर पुल की रेलिंग तोड़कर नदी में गिर गया। आसपास के युवाओं ने चालक को ट्रैक्टर ट्रॉली से बाहर निकाला और नगर परिषद की एंजुलेंस द्वारा नीमच जिला चिकित्सालय भेजा गया। दुर्भाग्यवश, रविंद्र की मौत हो गई। **अनसुनी समस्या** - तेज आवाज में बजाए जाने वाले टेप रिकॉर्डर वाहन दुर्घटनाओं में एक

बड़ा कारण बन रहे हैं। कान फोड़ आवाज के कारण सड़क पर कोई भी चेतावनी सुन नहीं पाता। पड़ोसी राज्य राजस्थान में इसके लिए सख्त कार्रवाई होती है, लेकिन अठाना में ऐसी कोई नियमावली लागू नहीं है। **जनता की सुरक्षा पर प्रश्न चिह्न** - अठाना क्षेत्र में न तो पुलिस और न ही आरटीओ विभाग टेप रिकॉर्डर की आवाज और तेज गाड़ियों पर कोई नियंत्रण रख रहा है। परिणामस्वरूप रोजाना हादसे बढ़ते जा रहे हैं, जबकि स्थानीय प्रशासन और पुलिस की आंखें और कान बंद हैं।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, नीमच की चित्तौड़गढ़ में बड़ी कार्रवाई 52.494 किलो अर्तैध अफीम जब्त, लाइसेंस धारक किसानों पर तस्करी का शक

खुफिया सूचना पर पांडोली स्टेशन, कपासन के आवासीय परिसर में छापा, रजिस्टर में दर्ज मात्रा से कई गुना ज्यादा अफीम मिली, किसान फरार

नीमच (निप्र) । केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (CBN) नीमच ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन क्षेत्र में अफीम के अवैध विचलन (डायवर्जन) के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 52.494 किलोग्राम अफीम और अफीम मिश्रित पानी जब्त किया है। यह कार्रवाई उप नारकोटिक्स आयुक्त (DNC) नीमच के नेतृत्व में खुफिया सूचना के आधार पर की गई।

टीम ने कपासन के पांडोली रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक आवासीय परिसर में छापा मारा। तलाशी के दौरान पता चला कि वहां तीन लाइसेंसधारी अफीम किसान किए। के कम्प्रे में रहकर काम कर रहे थे। हालांकि छापेमारी के समय तीनों किसान मौके पर मौजूद नहीं मिले। **रजिस्टर और वास्तविक मात्रा में बड़ा अंतर** - जांच के दौरान अधिकारियों ने मौके पर रखी अफीम का भौतिक सत्यापन किया। इसमें सामने

आया कि कमरे में मौजूद अफीम की मात्रा किसानों के प्रारंभिक तौल रजिस्टर (PWR) में दर्ज मात्रा से कई गुना ज्यादा है। अधिकारियों ने रजिस्टर में दर्ज आंकड़ों और मौके पर मिली अफीम का मिलान किया, लेकिन दोनों में बड़ा अंतर सामने आया। इससे यह संदेह गहरा गया कि लाइसेंस प्राप्त अफीम का अवैध रूप से डायवर्जन कर तस्करी की जा रही थी। **बिना रिकॉर्ड के रखी थी बड़ी मात्रा** - छापे के दौरान कमरे में बड़ी मात्रा में अफीम और अफीम मिश्रित पानी बरामद हुआ, लेकिन उसकी कोई वैध एंट्री रजिस्टर में दर्ज नहीं मिली। सामान्य रूप से किसानों को रोजाना एकत्रित की गई अफीम की मात्रा का हिसाब देना होता है और उसी आधार पर तौल रजिस्टर में एंट्री की जाती है। लेकिन इस मामले में जांच के दौरान यह प्रक्रिया सही तरीके से

नहीं अपनाई गई थी। एनडीपीएस नियमों का उल्लंघन - नियमों के अनुसार, एनडीपीएस नियम 1985 के नियम 13 के तहत लाइसेंसधारी किसानों को रोजाना डोड़ों पर चीरा लगाने के बाद एकत्रित अफीम को दैनिक तौल के लिए पेश करना अनिवार्य होता है। इसके बाद उसकी मात्रा का सही रिकॉर्ड रजिस्टर में दर्ज किया जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान गांव के मुखिया की मौजूदगी में तौल होती है और किसान तथा मुखिया दोनों के हस्ताक्षर किए जाते हैं, ताकि अफीम

की मात्रा का सही सरकारी रिकॉर्ड बना रहे। **एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्ती** - रिकॉर्ड और वास्तविक मात्रा में भारी अंतर मिलने के बाद केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम ने पूरी अफीम को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8, 18(बी), 19 और 42 के तहत जब्त कर लिया है। **किसान फरार, पूछताछ के बाद खुलेगे राज** - कार्रवाई के समय जिन किसानों के नाम पर अफीम का लाइसेंस जारी है, वे मौके पर नहीं मिले। अधिकारियों का कहना है कि किसानों से पूछताछ के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि अतिरिक्त अफीम वहां कैसे और किस उद्देश्य से रखी गई थी। फिलहाल जब्त की गई अफीम को सुरक्षित रखा गया है और पूरे मामले की जांच जारी है। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने साफ किया है कि लाइसेंस प्राप्त अफीम के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को रोकने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।



हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संंध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संंध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संंध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संंध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संंध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संंध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संंध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आए। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें—
ॐ शनैश्चराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहा :
▶ तीन मिट्टी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
▶ गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आए, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहा :

- ▶ पान के पांच पते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आए, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहा :
▶ पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आए। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहा :
▶ जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
▶ केले के पते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आए। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहा :
▶ ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
▶ बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आए। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहा :
▶ तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
▶ गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आए और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहा :
▶ इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आए। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहा :
▶ चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आए। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ॐ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहा :
▶ पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
▶ फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था शारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।



- ▶ भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- ▶ शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- ▶ कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- ▶ कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1. गांडीव, 2. पिनाक और 3. सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- ▶ यह भी कहा जाता है कि वत्सासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए वधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने— 1. गांडीव, 2. पिनाक और 3. सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्सासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- ▶ एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- ▶ कहते हैं कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के पास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- ▶ शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार



के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।



घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पतका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसों के तेल का दीपक भी जलाएं। वक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

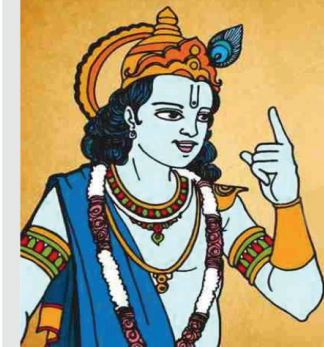


सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले गीता को अर्जुन के अलावा संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी थी। उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिदोष नामक रथ पर सारथी के स्थान पर



खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कहते हैं प्रथम दिन का उपदेश प्रातः 8 से 9 बजे के बीच हुआ था। बाद के उपदेश कैप में होते थे।
– गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। इसका कोई सा भी अध्याय अलग अध्याय का रिपिटेशन नहीं है। विषय भले ही एक हो लेकिन प्रत्येक अध्याय में अलग ही तरह का ज्ञान है।
– गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान है कैसे स्थिरपद्म पुरुष बनना, ईश्वर को जानना या मोक्ष प्राप्त करना।
– श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पाद का अधिकारी बन जाता है।

कर्मकाण्डीय विप्र परिषद् की बैठक सम्पन्न

पं. मालचन्द्र शर्मा पुनः सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए

विप्र परिषद् का नाम अब कर्मकाण्डीय विप्र पुजारी परिषद् किया गया



नीमच (निप्र)। कर्मकाण्डीय विप्र परिषद् की महत्वपूर्ण बैठक रविवार 08 मार्च 2026 को दोपहर 1 बजे भूतेश्वर महादेव मंदिर स्थित माँ अन्नपूर्णा के दरबार में सम्पन्न हुई जिसमें परिषद् का विस्तार करते हुए नार के मंदिरों के पुजारी वर्ग को सम्मिलित करते हुए संगठन का नाम संशोधन करके कर्मकाण्डीय

विप्र पुजारी परिषद् रखने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। साथ ही वर्तमान विप्र परिषद् की कार्यकारिणी को भंग करके पं. मालचन्द्र शर्मा को पुनः अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से पुनः चुना गया। और एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दी गईं।

बैठक में यूजीसी कानून का

विरोध करते हुए एक स्वर में इसकी निंदा की गई और केन्द्र सरकार से इसे तुरन्त वापस लेने की मांग की गई। क्योंकि इस कानून से युवा वर्ग का भविष्य बर्बाद हो रहा है और समाज में वर्ग संघर्ष बढ़ रहा है। एवं आसामाजिक तत्व इस कानून का बेजा लाभ लेने के लिये झूठी शिकायतें करके सर्वार्थ समूह

को प्रताड़ित कर रहे हैं। नवनि कार्यकारिणी के गठन के पूर्व तक वर्तमान अध्यक्ष पं. राधेश्याम उपाध्याय ही कार्यवाहक के रूप में व्यवस्था संपादन करेंगे। बैठक में पं. प्रेमप्रकाश गौड़, पं. जगदीशप्रसाद शर्मा, पं. रामेश्वर शर्मा, पं. कमल शर्मा, पं. कृष्णकान्त व्यास, गणमान्य जन उपस्थित थे।

श्री गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज महिला मंडल ने मेहनतकश विधवा महिलाओं का सम्मान कर मनाया महिला दिवस व फाग उत्सव



नीमच। श्री गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज महिला मंडल नीमच की अध्यक्ष श्रीमती अर्चना जोशी ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला मंडल ने ऐसी 06 मेहनतकश एकल व विधवा महिलाओं का सम्मान कर महिला दिवस व फाग उत्सव मनाया जो मेहनत व संघर्ष करते हुए स्वाभिमान के साथ अपने बच्चों को शिक्षित व संस्कारित कर रही हैं। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस और फाग उत्सव का आयोजन गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज नगरसभा के बरुखेड़ा रोड़ स्थित गौतम आश्रम भवन पर किया गया जिसमें बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं व युवतियों ने भाग लेकर राधाकृष्ण के साथ फाग उत्सव व महिला दिवस मनाया। समारोह में महिला समाज की संरक्षिका श्रीमती राजकुमारी शर्मा, सचिव रेखा शर्मा, कोषाध्यक्ष ज्योति जोशी उपाध्यक्ष ज्योति जगदीश ने सभी का अभिवादन वंदन किया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती अर्चना जोशी ने बताया कि इस अवसर जावद से पधारी बाल विदुषी हिमांशी देवी श्रीमती गायत्री देवी ने तथा अर्चना शर्मा ने राधा कृष्ण के मधुर भजनों की प्रस्तुती दी, व कृष्ण व राधारानी के दिव्य प्रसंगों को सुनाया। राधा के रूप में मेधा डेरिया तथा कृष्ण का अभिनय मेधा व्यास ने किया। संचालन एडवोकेट श्रद्धा त्रिपाठी ने तथा आभार ममता गोपाल कृष्ण पंचारिया ने माना।

भरतनाट्यम की दिव्य प्रस्तुतियों से सजा कृति उत्सव, नर्मदा वंदना ने बांधा समां



नीमच। शहर की प्रतिष्ठित सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था कृति द्वारा आयोजित "कृति उत्सव-2026 : के नृत्य महोत्सव" में भरतनाट्यम की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में शास्त्रीय नृत्य की परंपरागत शैली के साथ भाव, लय और अभिनय का अद्भुत

संगम देखने को मिला, जिसने पूरे वातावरण को कला और अध्यात्म की सुगंध से भर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत "नटेश कौटुम्भ" से हुई, जो भगवान शिव के नटराज स्वरूप की स्तुति पर आधारित ऊर्जावान नृत्य है। कलाकारों ने शिव के तांडव और उनकी दिव्य मुद्राओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इसके बाद प्रस्तुत "शब्दम्" में भाव-अभिनय के माध्यम से भगवान कृष्ण के जीवन की मधुर लीलाओं का सुंदर चित्रण किया गया। रागमालिका और मिश्र चापु ताल में निबद्ध इस प्रस्तुति ने दर्शकों के हृदय को गहराई से स्पर्श किया।

इसके पश्चात "नृत्यति नृत्यति" में भगवान शिव की महिमा और उनके आनंदमय नृत्य का भावपूर्ण चित्रण किया गया। शिव के नटराज स्वरूप, डमरू की लय और ब्रह्मांडीय संतुलन के प्रतीक भावों को कलाकारों ने सजीव कर दिया।

विश्वकर्मा समाज की महिला मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन भगवती देवी शर्मा अध्यक्ष, प्रमिला देवी शर्मा कोषाध्यक्ष, ऊषादेवी मारोठिया सचिव मनोनि

नीमच (निप्र)। विश्वकर्मा जागिड ब्राह्मण समाज खेड़ी मोहल्ला नीमच चारभुजा मंदिर पर विश्वकर्मा समाज की महिला मंडल की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जिसमें अध्यक्ष भगवती शर्मा ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को नवीन कार्यकारिणी की गठन करने का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वानुमति उपस्थित बहनों ने अपनी सहमति दी। समाज सेवा में हमेशा आगे रहने वाले अनामिका शर्मा ने महिला मंडल के किए गए अच्छे कार्यों एवं संगठन शक्ति के महत्व उपस्थित महिलाओं के समक्ष रखा एवं कार्यकारिणी के गठन की कार्यवाही अपने मार्गदर्शन से संपन्न करने में अपना अहम योगदान दिया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से अध्यक्ष अध्यक्ष भगवती देवी शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रमिला देवी शर्मा, सचिव ऊषा देवी मारोठिया, उपाध्यक्ष गीता देवी किन्जा, सहसचिव तारा देवी शर्मा एवं कार्यकारिणी में अनामिका शर्मा, अनीता झाला, चंदा देवी शर्मा, पुष्पा देवी करेल, प्रीति शर्मा, मुनींदयाल, शांति किन्जा श्यामदेवी विश्वकर्मा, मंजू जोगनिया, पिकीशर्मा, श्रुतिदुबे, लक्ष्मी झाला, रेखा दयाल, सुरेश दयाल, कंचन दयाल, सुनीता मारोठिया को सदस्य को लिया गया है।

विजय जोशी बने सारस्वत ब्राह्मण समाज सेवा समिति के अध्यक्ष

नीमच। सारस्वत ब्राह्मण समाज व सेवा समिति के अध्यक्ष पद हेतु एडवोकेट विजय जोशी को सर्वानुमति से चुना गया। उक्त जानकारी देते हुए सारस्वत ब्राह्मण समाज सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष संदीप जोशी ने बताया कि, गोदाम बालाजी स्थिति बालाजी परिसर में आयोजित समाज की बैठक में उक्त निर्णय समाज के सम्माननीयों द्वारा सर्वानुमति से आगामी कार्यकाल हेतु एडवोकेट विजय जोशी का चयन किया गया। अध्यक्ष द्वारा अपनी कार्यकारी का विस्तार करते हुए डॉ. पवन ओझा (आर्थोपेडिक ओम हास्पिटल) को उपाध्यक्ष, प्रमोद उपाध्याय को सचिव, संजय व्यास को कोषाध्यक्ष, मनोज जोशी को



सहसचिव व कार्यकारिणी सदस्य के रूप में आशुतोष जोशी, महेंद्र जोशी, संजय कुमार उपाध्याय, अंकित तुगनावत व मार्गदर्शक समाज के पूर्व अध्यक्ष कालिलाल जोशी, प्रहलाद ओझा, प्रमोद कुमार व्यास, दिनेश शर्मा, दयाशंकर व्यास को बनाया। साथ ही सारस्वत ब्राह्मण महिला मंडल का भी गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष अनिता जोशी,

उपाध्यक्ष अंजना धनंजय, सचिव संस्था व्यास, सहसचिव रेखा ओझा, कोषाध्यक्ष पूजा जोशी, सांस्कृतिक सचिव रश्मि बोहरा, मीडिया सचिव श्वेता जोशी, क्रीड़ा सचिव दीपिका ओझा, उत्सव सचिव संस्था जोशी को बनाया गया। समाज जनों ने नवनिर्वाचित कार्यकारी को बधाई देते हुए समाज हित में कार्य कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नीमच में दो बदमाश जिला बंदर : एनडीपीएस और आबकारी एक्ट के मामलों में कार्रवाई

नीमच 9 मार्च (निप्र)। जिला मजिस्ट्रेट हिमांशु चंद्रा ने म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (क-ख) के तहत दो आरोपियों को जिला बंदर करने के आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार दोनों आरोपी 6 माह की अवधि तक नीमच जिले की राजस्व सीमा के साथ ही समीपवर्ती मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, उज्जैन,

देवास और आगर मालवा जिलों की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। जिला बंदर किए गए आरोपियों में कैरी निवासी दशरथ पिता बापू सिंह सोनिया राजपूत (थाना जोरन) और कड़ी खुर्द निवासी समर्थ पिता रतनलाल (थाना कुकड़ेश्वर) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार दशरथ के खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में

एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज हैं और प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं। वहीं समर्थ के विरुद्ध विभिन्न थानों में आबकारी अधिनियम के तहत मामले दर्ज होकर विचाराधीन हैं। जिला प्रशासन ने आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से दोनों आरोपियों के विरुद्ध यह कार्रवाई की है।

madan mali 9669999779 rajmal gayri 9926640630

SHREE DEV ENTERPRISES

GSTIN-23AHPDL6502G1Z5
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

Station Road, Near Church, Nayagaon-Neemuch

GSTIN-23BSPG0652G1Z5
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

मदन माली 9669999779 राजमल गायरी 9926640630

श्रीदेव वेल्डिंग वर्क्स

स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव, जिला-नीमच

12th सफर जोश का के बाद मंजिल कामयाबी की

MPPSC, SSC, BANK

रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए

और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इन्कम टैक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये

सोनी कोचिंग क्लासेस ISO 9001 : 2008 Certified

22 वर्षों का अनुभव। 1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं। धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास, भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

GYANODAYA INTERNATIONAL SCHOOL

CBSE Affiliation No. : 1030898

Admission announcement for the session 2026-27

ALL INTERNATIONAL FACILITIES UNDER ONE ROOF

ACADEMICS

- Well qualified committed educators
- Streams for 11th & 12th Science, Commerce & Humanities
- Best innovative academic practices
- Best pedagogical practices with customised teaching
- Spoken English
- Smart Classes
- Abacus Classes
- Language Lab

SPECIAL FEATURES

- Pick-up and drop facility from home for Nursery, LKG, and UKG Students
- Safe and secured campus
- ICT implementation & smart classes
- Excellent academics with personal care
- Career guidance & Self skills training
- Self defence

CO-CURRICULAR ACTIVITIES

- Music
- Literary Activities
- Art & Craft
- Dance
- Personality Development
- Health & Fitness
- Singing
- Adventure Activities
- Social Welfare

SPORTS & GAMES

- Athletics
- Basketball
- Yoga
- Football
- Swimming
- Kho-Kho
- Badminton
- Table Tennis
- Cricknet
- Karate
- Volleyball
- All Indoor Games

Admission Open

Class : Nursery to 12th

Bus Facility Available

From - Neemuch, Jawad, Nayagaon, Manasa & Chotisadri

Class 11th Streams

Science, Commerce & Humanities

For visit & admission, School time: 09am to 03pm & City Office time: 10:30am to 06:30pm

Campus: Kanawati, Neemuch | City Office: Shop No. 9 Opp. Alkaloid Factory, NMH, Mob. 98273 77168

NMH: 7771006847 | Jawad : 7898358888 | Manasa : 7771001308

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु **41,990/-**

में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु.41,990/- - से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...

INTRODUCING **KNIGHT+**

#BuiltToPerform

RTO मॉडल मात्र

रु ~~81000/-~~ रु **76000/-***

(माइलेज 80-100 कि.मी.)

3 साल बैटरी की वारंटी के साथ

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने, Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)

मो. 940742399, 8770664866